दिसंबर 2018 माह की मुख्यतः उपलब्धियां महत्वपूर्ण विकास और महत्वपूर्ण घटनाएं

- प्रधान मंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) - (करोड़ में)

लाभार्थियों की कुल संख्या

खातों में जमा राशि (करोड़ में)

लाभार्थियों को जारी किये गये रुपए डेबिट कार्ड की संख्या
• प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेशेवर योजना (एपीवाई)

अभी तक सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों , आरआरबी, सहकारी और विदेशी बैंकों सहित 1055 बैंकों ने 10 जीवन बीमा कंपनियों के साथ और 1045 बैंकों ने 10 साधारण बीमा कंपनियों के साथ सभी भारतीय विशेषकर गरीबों और वंचितों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के तहत पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई के लिए समझौता कर चुके हैं। इस योजना के बारे में जागरूकता जगाने के लिए हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में सामग्री का प्रसार एक त्यागपत्तिक भाषा में आधारित अभियान शुरू किया गया था। न्यूक्वेंटम प्रलेखीकरण सहित एक साधारण दावा निपटान कार्यप्रणाली/प्रक्रिया निपटान के समय को कम करने के लिए इसके लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता पैदा करने के लिए रखी गई है।

दिनांक 01.01.2019 की स्थिति के अनुसार, पात्रता मापदंड के सत्यापन के अधीन बैंकों द्वारा कुल नामांकन निम्न-प्रकार है।

<table>
<thead>
<tr>
<th>श्रेणी</th>
<th>नामांकन की संख्या (करोड में)</th>
<th>संत्तिरत दावों की संख्याय</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>पीएमएसबीवाई</td>
<td>14.64</td>
<td>29,236</td>
</tr>
<tr>
<td>पीएमजेजेबीवाई</td>
<td>5.67</td>
<td>1,24,422</td>
</tr>
</tbody>
</table>

*पात्रता मापदंड के सत्यापन के अधीन बैंकों द्वारा कुल नामांकन।

जहां तक एपीवाई का प्रश्न है , तो 31.12.2018 की स्थिति के अनुसार इस योजना के तहत कुल 137.17 लाख लोगों का नामांकन किया गया है।

• प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) - दिनांक 01.04.2018 -28.12.2018 तक उपलब्धियां

<table>
<thead>
<tr>
<th>श्रेणीवार प्रगति</th>
<th>क्रम का प्रकार</th>
<th>चारों की संख्या</th>
<th>स्वीयकृत राशि (रुपये करोड में)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>पीएमएमवाई के तहत स्वीयकृत कुल राशि</td>
<td>161712.79करोड रुपए</td>
<td>शिशु</td>
<td>27176917</td>
</tr>
<tr>
<td>उधारकर्ताओं की कुल सं.</td>
<td>306.14लाख</td>
<td>किशोर</td>
<td>2966521</td>
</tr>
<tr>
<td>महिला उधारकर्ता</td>
<td>220.12लाख (72%)</td>
<td>तरुण</td>
<td>470690</td>
</tr>
<tr>
<td>नये उद्यम</td>
<td>72.80लाख (24%)</td>
<td>कुल</td>
<td>30614128</td>
</tr>
<tr>
<td>एससी/एसटी/ओबीसी</td>
<td>160.84लाख (53%)</td>
<td>जारी मुद्रा कार्ड</td>
<td>118526</td>
</tr>
</tbody>
</table>
• स्टॅंडैड 2 अप इंडिया योजना- 31.12.2018 की स्थिति के अनुसार.

<table>
<thead>
<tr>
<th>दिनांक</th>
<th>एससी</th>
<th>एसटी</th>
<th>स्त्री</th>
<th>कुल</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>खातों की संख्या</td>
<td>स्वीयकृत राशि</td>
<td>खातों की संख्या</td>
<td>स्वीयकृत राशि</td>
</tr>
<tr>
<td>31.12.2018</td>
<td>9695</td>
<td>1903.83</td>
<td>2899</td>
<td>590.21</td>
</tr>
</tbody>
</table>

खातों की संख्या

स्वीयकृत राशि (राशि करोड़ में)

*****